Publication	The Hindu Business Line	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	13/08/2023	Page no	12
CCM	71.89		

Amit Shah pitches for nano-DAP use, sees Rs 10,000-cr saving in import subsidy

Amit Shah pitches for nano-DAP use, sees ₹10,000-cr saving in import subsidy

ORGANIC PUSH. Minister calls for a second Green Revolution to ensure self-sufficiency in all food items

Our Bureau
New Delhi

Nearly four months after launching IFFCO's nano-DAP in Delhi, Co-operation Minister Amit Shah on Saturday laid the foundation of the co-operative's manufacturing unit at Kalol in Kandla, Gujarat. Shah hoped that the innovation in rolling out the world's first liquid DAP fertilizer would help the government save ₹10,000 crore in foreign exchange by reducing the subsidy on imports.

Addressing a meeting at the plant site, attended by farmers, BJP leaders and IFFCO executives, including its Chairman Dileep Sanghani and Managing Director Uday Shankar Awasthi, Shah said there is need for a second Green Revolution (in natural farming) in the country for ensuring self-sufficiency in all food products.

PRODUCTION BOOST. Amit Shah said that the upcoming nano-DAP production plant in Kalol will produce 2 lakh bottles (of 500 ml each) of nano-DAP everyday PTI

"When I said the government will save ₹10,000 crore, do not assume that we will cut the subsidy. We will pass on the amount to you," Shah clarified to farmers. According to the recently introduced scheme, PM-Pranam, the Centre has promised to pass on 50 per cent savings from lower consumption of conventional chemical fertilizers by adopting natural farming or better alternatives such as nano-urea and nano-DAP.

The government has made a provision of ₹44,000 crore for subsidy on phosphorus and potash for 2023-24 fiscal (BE), as against ₹71,122.23 crore in 2022-23 (RE). The subsidy on P&K fertilizers, which are mainly imported, reached ₹16,035.29 crore in the April-June quarter of the current fiscal.

In April, when Shah inaugurated the commercial launch of nano-DAP, it was manufactured in a small plant at Coimbatore. But the Kalol plant will be exclusively for nano-DAP production on a large scale, officials said. The Minister said the Kalol plant will produce 2 lakh bottles (of 500 ml each) every day.

5-CR BOTTLES TARGET

Production at the Kalol unit will start this year, once the plant is ready as IFFCO targets producing 5 crore bottles of nano-DAP (equivalent to 25 lakh tonnes of granular DAP) by March 31, 2024. By FY26, IFFCO aims to produce 18 crore bottles at three plants.

Shah said India needs a new Green Revolution to show the path of natural farming to the world and lead the way for prosperity of farmers. This revolution will bring wealth from across the world to India by finding markets for organic products, he said.

The new Green Revolution should aim for three things. First, to make India self-sufficient in not just wheat and paddy, but food items of every kind, be it pulses or oilseeds. Second, to increase per acre production and preserve soil by encouraging natural farming. Third, bring prosperity to farmers by finding markets for natural farming produce, he said. The government is committed to achieving these three aims, and his Ministry has set up three multi-State cooperative societies to achieve them, he added.

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Amar Ujala	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	13/08/2023	Page no	14
CCM	20.06		

New green revolution needed for natural farming

प्राकृतिक खेती के लिए नई हरित क्रांति की जरूरत

गांधीधाम। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि दुनिया को प्राकृतिक खेती और किसानों की समृद्धि का रास्ता दिखाने के लिए भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नई हरित क्रांति की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह हरित क्रांति जैविक उत्पादों के लिए बाजार ढूंढ़कर दुनिया भर से धन भारत लाएगी। शाह ने शनिवार को गुजरात के कांडला में इफको नैनो डीएपी (तरल) संयंत्र का शिलान्यास करने के अवसर पर कहा कि संयंत्र में प्रति दिन 500 मिलीलीटर तरल की 2 लाख बोतलें उत्पादित की जाएंगी, जिससे आयातित उर्वरकों पर देश की निर्भरता कम हो जाएगी और उर्वरकों पर 10,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी बच जाएगी। एजेंसी

हर प्रकार के अनाज में आत्मनिर्भर बनाना लक्ष्य : अमित शाह ने कहा, नई हरित क्रांति का लक्ष्य तीन चीजें हैं - पहला, भारत को न केवल गेहूं और धान, बल्कि हर प्रकार के अनाज में आत्मनिर्भर बनाना, चाहे वह दालें हों या तिलहन; दूसरा, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करके प्रति एकड़ उत्पादन बढ़ाना और मिट्टी को संरक्षित करना; और तीसरा, प्राकृतिक खेती की उपज के लिए बाजार ढूंढ़कर किसानों के लिए समृद्धि लाना। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इन तीन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके मंत्रालय ने इन्हें हासिल करने के लिए तीन बहु-राज्य सहकारी समितियों की स्थापना की है।

- शाह ने कहा, सबसे बड़ी बात यह है कि इससे आयात कम होगा और भारत यूरिया और डीएपी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि इन उपायों से भारत जो उर्वरक सब्सिडी बचाएगा, वह किसानों को वापस मिल जाएगी और इससे किसानों और देश दोनों को फायदा होगा।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Dainik Jagran	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	13/08/2023	Page no	1, 14
CCM	92.86		

The country needs a new green revolution

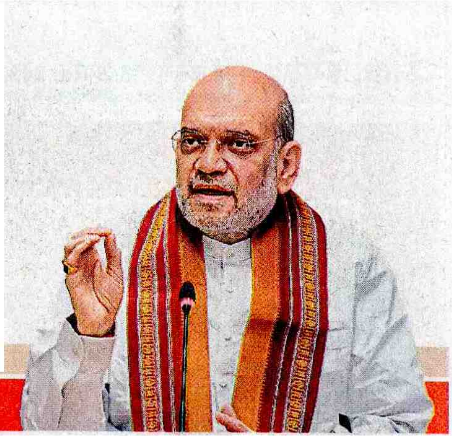
देश को नई हरित क्रांति की आवश्यकता : शाह 14

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

देश को नई हरित क्रांति की आवश्यकता

शाह ने कहा–यह हरित क्रांति जैविक उत्पादों के लिए बाजार खोजकर पैसा भारत में लाएगी

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि दुनिया को प्राकृतिक खेती का रास्ता दिखाने और किसानों को समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ाने के लिए भारत को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नई हरित क्रांति की जरूरत है। यह हरित क्रांति जैविक उत्पादों के लिए बाजार खोजकर दुनियाभर से पैसा भारत में लाएगी। वह गुजरात के कच्छ जिले के कांडला में इफको के नैनो डीएपी (तरल उर्वरक) संयंत्र की आधारशिला रखने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

शाह ने कहा कि नए संयंत्र में 500 एमएल तरल उर्वरक की दो लाख बोतल का प्रतिदिन उत्पादन होगा, जिससे आयातित उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी और 10 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी बचेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में देश में नई हरित क्रांति की शुरुआत हो गई है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए आगामी पांच साल में देश में तीन लाख प्राथमिक कृषि क्रेडिट सोसायटी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इफको की नई तरल यूरिया से किसानों को काफी लाभ होगा। इससे धरती माता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि जमीन को उपजाऊ बनाए रखना किसानों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है। तरल उर्वरक जमीन में नहीं उतरता, पौधे पर ही रहता है। इससे पानी भी प्रदूषित नहीं होगा तथा जमीन भी सुरक्षित रहेगी। उत्पादन बढ़ने से किसानों को आर्थिक लाभ होगा।

सरकार ने तीन मल्टी स्टेट सहकारी सोसायटी का किया निर्माण : शाह ने कहा कि सरकार ने तीन मल्टी स्टेट सहकारी सोसायटी का निर्माण किया है। इनमें से एक बीज के प्रमाणीकरण तथा संवर्धन का काम करेगी। दूसरी किसानों द्वारा उत्पादित प्रोडक्ट का सर्टिफिकेशन और मार्केटिंग का काम करेगी। तीसरी सोसायटी सीमांत व लघु किसानों के उत्पादों को विश्व बाजार में पहुंचाएगी। सहकारी क्षेत्र में लोगों को संगठित करने के लिए सहकारिता मंत्रालय ने कई कदम उठाए हैं। कृषि क्रेडिट सोसायटी के कानूनों में सुधार किया गया है। अभी तक देश में 15 हजार प्राथमिक कृषि क्रेडिट सोसायटी कामन सर्विस सेंटर बनाए जा चुके हैं।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Hindustan	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	13/08/2023	Page no	13
CCM	59.41		

Green revolution has to be brought for natural farming: Amit Shah

केंद्रीय गृहमंत्री ने कच्छ में इफको के नैनो डीएपी संयंत्र की आधारशिला रखी

प्राकृतिक खेती के लिए हरित क्रांति लानी होगी : अमित शाह

आत्मनिर्भर

गांधीधाम (गुजरात), एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि दुनिया को प्राकृतिक खेती का रास्ता दिखाने के लिए भारत को एक नई हरित क्रांति की जरूरत है। शाह ने कहा कि यह हरित क्रांति जैविक उत्पादों के लिए बाजार खोजकर दुनियाभर से पैसा भारत लाएगी।

अमित शाह ने गुजरात के कच्छ जिले के कांडला में अग्रणी उर्वरक सहकारी प्रमुख इफको के नैनो डीएपी (तरल) संयंत्र की आधारशिला रखी। सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश को एक और हरित क्रांति की जरूरत है, भले ही यह एक अलग तरह की क्रांति हो, जहां उत्पादन ही एकमात्र लक्ष्य नहीं है। उन्होंने कहा कि अतीत में भारत को गेहूं और चावल आयात करने की जरूरत पड़ती थी।

कांडला में शनिवार को नैनो डीएपी संयंत्र कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।

देश यूरिया-डीएपी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा

शाह ने कहा कि मोदी सरकार नई हरित क्रांति के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, सबसे बड़ी बात यह है कि इससे आयात कम होगा और भारत यूरिया और डीएपी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा।

एनएएफआईएस की टीम को बधाई दी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग स्वर्ण पुरस्कार जीतने के लिए राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस) की टीम को बधाई दी।

Internal (for authorised circulation only)
Downloaded from
SAMVAD

Publication	Jansatta	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	13/08/2023	Page no	14
CCM	45.69		

India needs new green revolution: Shah

भारत को नई हरित क्रांति की जरूरत : शाह

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 12 अगस्त।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि दुनिया को प्राकृतिक खेती का रास्ता दिखाने के लिए भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नई हरित क्रांति की जरूरत है।

शाह ने कहा कि यह हरित क्रांति जैविक उत्पादों के लिए बाजार खोजकर दुनिया भर से पैसा भारत में लाएगी। शाह गुजरात के कच्छ जिले के कांडला में अग्रणी उर्वरक सहकारी प्रमुख इफको के नैनो डीएपी (तरल) संयंत्र की आधारशिला रखने के लिए आयोजित समारोह में बोल रहे थे। मंत्री ने कहा कि संयंत्र में प्रति दिन 500 मिलीलीटर तरल वाली 2 लाख बोतलों का उत्पादन होगा, जिससे आयातित उर्वरकों पर देश की निर्भरता कम होगी और उर्वरकों पर 10,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी बचेगी।

इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश को एक और हरित क्रांति की जरूरत है, भले ही यह एक अलग तरह की क्रांति हो, जहां उत्पादन ही एकमात्र लक्ष्य नहीं है। उन्होंने कहा कि बाद की सरकारों के प्रयासों और पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देश खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन गया है।

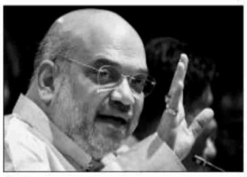

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, हरित क्रांति जैविक उत्पादों के लिए बाजार खोजकर दुनिया भर से पैसा भारत में लाएगी। *शाह* ने गुजरात के कच्छ में अग्रणी उर्वरक सहकारी प्रमुख इफको के नैनो डीएपी संयंत्र की आधारशिला रखी।

शाह ने कहा, लेकिन जब मैं कहता हूं कि हमें एक नई हरित क्रांति की जरूरत है, तो इसका आयाम यह होना चाहिए कि भारत दुनिया को प्राकृतिक खेती का रास्ता दिखाए और प्राकृतिक खेती के लिए हरित क्रांति लाए... यह हरित क्रांति हमारे किसानों के जैविक उत्पादों के लिए बाजार ढूंढकर दुनिया भर से पैसा भारत लाएगी।

Internal (for authorised circulation only)
Downloaded from SAMVAD

India needs a new Green Revolution: Amit Shah

भारत को नई हरित क्रांति की जरूरत: अमित शाह

गांधीधाम (भाषा)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि दुनिया को प्राकृतिक खेती का रास्ता दिखाने और किसानों को समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ाने के लिए भारत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक नई हरित क्रांति की जरूरत है। शाह ने कहा कि यह हरित क्रांति जैविक उत्पादों के लिए बाजार खोजकर दुनिया भर से पैसा भारत में लाएगी।

■ कहा, दुनिया को प्राकृतिक खेती का रास्ता दिखाने और किसानों को समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ाने के लिए यह जरूरी

शाह गुजरात के कच्छ जिले के कांडला में अग्रणी उर्वरक सहकारी प्रमुख इफको के नैनो डीएपी (तरल) संयंत्र की आधारशिला रखने के लिए आयोजित समारोह में बोल रहे थे। मंत्री ने कहा कि संयंत्र में प्रति दिन 500 मिलीलीटर तरल वाली 2 लाख बोतलों का उत्पादन होगा, जिससे आयातित उर्वरकों पर देश की निर्भरता कम होगी और उर्वरकों पर 10,000 करोड़ रुपए की सब्सिडी बचेगी। इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, 'मेरा मानना है कि मोदीजी के नेतृत्व में देश को एक और हरित क्रांति की जरूरत है, भले ही यह एक अलग तरह की क्रांति हो, जहां उत्पादन ही एकमात्र लक्ष्य नहीं है।' उन्होंने कहा कि अतीत में भारत को गेहूं और चावल आयात करने की जरूरत पड़ती थी। उन्होंने कहा कि बाद की सरकारों के प्रयासों और पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देश खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन गया है। शाह ने कहा, ''लेकिन जब मैं कहता हूं कि हमें एक नई हरित क्रांति की जरूरत है, तो इसका आयाम यह होना चाहिए कि भारत दुनिया को प्राकृतिक खेती का रास्ता दिखाए और प्राकृतिक खेती के लिए हरित क्रांति लाए... यह हरित क्रांति हमारे किसानों के जैविक उत्पादों के लिए बाजार ढूंढकर दुनिया भर से पैसा भारत लाएगी।''

नई हरित क्रांति के तीन लक्ष्य

पहला, भारत को न केवल गेहूं और धान, बल्कि हर प्रकार के खाद्य पदार्थों में आत्मनिर्भर बनाना, चाहे वह दालें हों या तिलहन; दूसरा, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करके प्रति एकड़ उत्पादन बढ़ाना और मिट्टी को संरक्षित करना और तीसरा, प्राकृतिक खेती की उपज के लिए बाजार ढूंढकर किसानों के लिए समृद्धि लाना। मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार इन तीन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके मंत्रालय ने इन्हें हासिल करने के लिए तीन बहु-राज्य सहकारी समितियों की स्थापना की है।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Hari Bhoomi	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	13/08/2023	Page no	9
CCM	81.73		

Organic farming will get a boost, farmers will be benefited from low cost

आर्गेनिक फार्मिंग को मिलेगा बढ़ावा, कम लागत से किसान होंगे लाभान्वित

एजेंसी ▶▶ गांधीधाम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के गांधीधाम में देश भर के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए इफको के लिक्विड नैनो डीएपी प्लांट की नींव रखी है। इस प्लांट की खासियत यह होगी कि 50 किलो फर्टिलाइजर की जगह किसान केवल आधा लीटर तरल फर्टिलाइजर अपने खेतों में इस्तेमाल करेंगे। यह प्लांट 70 एकड़ के एरिया में बनेगा। महज एक साल में इसको पूरा करने का लक्ष्य है। सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस इफको के इस प्लांट के बनने के बाद आर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस नैनो फर्टिलाइजर प्लांट से इफको उचित मात्रा और उचित दाम में भारत के किसानों को खाद की सप्लाई करेगा। यह दुनिया का पहला लिक्विड नैनो डीएपी बनाने वाला प्लांट है।

दलहन-तिलहन में देश आत्मनिर्भर होगा

शाह ने कहा कि दलहन और तिलहन के मामले में भी देश को आत्मनिर्भर बनाना है। प्राकृतिक खेती से उपजे उत्पादों का उचित मूल्य किसान को देना सबसे जरूरी है। अच्छे ब्रांड के साथ विश्व के बाजारों को किसानों के प्रोडक्ट भेजे जाएंगे। इन प्रोडक्ट को दुनिया के बाजार में उतारने का मौका मिलेगा। इस संयंत्र में इफको पैसा लगाएगा।

गृहमंत्री शाह ने दुनिया के पहले लिक्विड नैनो डीएपी बनाने वाले प्लांट की नींव रखी

खाद में देश आत्मनिर्भर बनेगा

गृहमंत्री शाह ने कहा कि हर तरह की खाद में देश आत्मनिर्भर बनेगा। इस प्लांट को बहुत ही प्रोफेशनल तरीके से डिजाइन किया गया है। यह प्लांट जीरो लिक्विड डिस्चार्ज पर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि कोऑपरेटिव सेक्टर भारत के किसानो के लिए मजबूत पिलर है और आज ये पिलर ज्यादा मजबूत होगा। मोदी सरकार ने पैक्स को मल्टी-डायमेंशनल बनाया है।

धरतीमाता को भी मिलेगा संरक्षण

शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय बना तो सहकारिता से समृद्धि का मंत्र पीएम मोदी ने हमें दिया। लिक्विड नैनो डीएपी से हमारी धरती माता संरक्षित होगी, उसमें जहर नहीं जाएगा। इससे उर्वरता बढ़ेगी। इस खाद से पानी भी दूषित नहीं होगा, सरकार पर सब्सिडी का बोझ कम होगा, सरकार आत्मनिर्भर बनने दिशा में आगे बढ़ेगी। शाह ने कहा कि भारत को दूसरी हरित क्रांति की जरूरत है। प्राकृतिक खेती की हरित क्रांति करनी है।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	The Sunday Standard	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	PTI
Date	13/08/2023	Page no	8
CCM	31.57		

SHAH IN KUTCH

SHAH IN KUTCH

Home Minister Amit Shah at the IFFCO Nano DAP (Liquid) plant in Kandla of Gujarat's Kutch district on Saturday | PTI

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD